

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	ज्येष्ठ 17, मंगलवार, शाके 1944-जून 7, 2022 <i>Jyaistha 17, Tuesday, Saka 1944- June 7, 2022</i>	

**भाग-1(ख)**

**महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।**

**वन विभाग**

**विज्ञप्ति**

**जयपुर, मई 23, 2022**

**संख्या 2 (6) वन/2022 :-**चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन-भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा उनके किसी अंश को स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन-भूमि तथा बंजर-भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29 उप धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा अथवा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार के लेखबद्ध नहीं किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में अथवा उन पर सरकारी या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना तथा उन्हें ले लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचाने की आशंका है,

इसलिये अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 (1953 की एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर/ असिस्टेंट फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में या उन पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है, तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली से किया जायेगा जैसाकि उक्त एक्ट की धारा 6,7,8,10,11 (1) 12,13,14,17,18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन-भूमि और बंजर-भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है, परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उनसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का

कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

प्रथम अनुसूची (वन-भूमि और बंजर-भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,  
बी. प्रवीण,  
शासन सचिव,  
वन विभाग,  
शासन सचिवालय, जयपुर।

### प्रथम अनुसूची

क्र. सं.	नाम वन खण्ड	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण			
1	2	3	4	5	6	7	8	
1	वल्लभगढ़-बी	भुसावर	भरतपुर	उत्तर- आराजी नम्बर 1041	राजस्व	आराजी	क्षेत्रफल (है० मे)	भूमि
				दक्षिण- आराजी नम्बर 1048	ग्राम	नम्बर		किस्म
				पूर्व- आराजी नम्बर 1044	वल्लभगढ़	1051	4.30	गै०मु० पहाड
				पश्चिम- आराजी नम्बर 1054 व 1052				
				योग	किता-2		4.30	
3	वल्लभगढ़-सी	भुसावर	भरतपुर	उत्तर- आराजी नम्बर 1081 व 1083	वल्लभगढ़	1082	2.00	गै०मु० पहाड
				दक्षिण- आराजी नम्बर 1078 व 1170		1179	1.02	गै०मु० पहाड
				पूर्व- आराजी नम्बर 1144 व 1058				
				पश्चिम- आराजी नम्बर 11180 व 1080				
				योग	किता-2		3.02	

अभिमन्यु सहारण,  
उप वन संरक्षक,  
भरतपुर।

## द्वितीय अनुसूची

## पेड़ों की सूची

## वनखण्ड- वल्लभगढ़- बी एवं सी

क्र. सं.	बोटनिकल नाम	हिन्दी नाम
1.	Holoptelia integrifolia	चुरैल
2.	Acacia lencophloea	रोन्झ
3.	Zizyphus mauritiana	बैर
4.	Acacia tortilis	इजरायली बबूल
5.	Acacia nilotica	देशी बबूल
6.	Anogeissus pendula	धौंक
7.	Azadirachta indica	नीम
8.	Dalbergia Sissoo	शीशम
9.	Acacia catechu	खैर

क्षेत्रीय वन अधिकारी  
बयाना

(अभिमन्यु सहारण)  
उप वन संरक्षक  
भरतपुर

परिशिष्ट - क

प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक, द्वारा प्रमाण पत्र  
(जो लागू नहीं होता है उसे काट दें)

वनखण्ड - वल्लभगढ़- बी एवं सी

रेन्ज - बयाना

वन मण्डल - भरतपुर

- वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग के नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य कराया गया है/ कराना है। इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है।
- विज्ञप्ति प्रपत्र में उल्लेखित भूमि वन विभाग के अधीन है। प्रस्तावित भूमि में खनन कार्य नहीं हुए हैं।
- प्रस्तावित वन क्षेत्रों में समस्त क्षेत्र पूर्व से ही विभाग के अधीन है, जिन पर वानिकीय विकास कार्य किये गये हैं अथवा भविष्य में किये जाने की सम्भावना है।
- प्रस्तावित भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0 से 0.3 तक का है इस क्षेत्रों में प्रमुख धौंक रोन्झ बैर, देशी बबूल इत्यादि प्रजातियों के पेड़ एवं झाड़ियाँ हैं।

- 5 समीपवर्ती स्थित क्षेत्र खातेदारी (राजस्व बंजर/ चरागाह/ खातेदारी / वन) भूमि है, तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम सं. 5 में कर दिया गया है।
- 6 वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न है, एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शों में लाल स्याही से इंगित किया गया है।
- 7 प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं, किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है, जिसमें कि इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
- 8 उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

अभिमन्यु सहारण,  
उप वन संरक्षक,  
भरतपुर।

---

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।